Total Pages : 4

A25DIA02

B.A./B.Sc. (H.Sc.) (Semester-I) (NEP) Examination, 2025-26

Ability Enhancement Course (AEC)

FOUNDATION COURSE HINDI LANGUAGE

(Hindi Bhasha-I)

Time Allowed : Two Hours

Maximum Marks : 35

निर्देश : यह प्रश्न-पत्र **दो** खण्डों में विभक्त है। सभी खण्डों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। अंकों का विभाजन प्रत्येक खण्ड में दिया गया है।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

[5×1=5]

1. (i) हरिशंकर परसाई का जन्म कहाँ हुआ था?

(ii) महात्मा गाँधी की आत्मकथा का क्या नाम है?

(iii) 'लम्बोदर' शब्द में कौन-सा समास है?

(iv) 'अल्पज्ञ' का विलोम शब्द क्या है?

(v) 'जिसे भय न हो,' उसे क्या कहते हैं?

(vi) 'कठपुतली होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?

(vii) अंग्रेजी शब्द Republic का हिन्दी अर्थ क्या है?

(viii) 'मैं तीन भाई हूँ' का शुद्ध वाक्य प्रयोग बनाइए।

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए

[5×2=10]

2\. (i) 'भारत माता' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'भोलाराम का जीव' में भोला के जीव को किसने और कैसे खोजा?

(iii) पर्यायवाची शब्द को स्पष्ट करते हुए किन्हीं तीन शब्दों के पर्यायवाची लिखिए।

(iv) 'मुहावरे' और 'लोकोक्ति' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(v) निबंध किसे कहते हैं?

(vi) समास किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'उपसर्ग' और 'प्रत्यय' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(viii) अनेकार्थी शब्द से आप क्या समझते हैं?

खण्ड-ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (प्रत्येक इकाई से एक) [4×5=20]

इकाई-I

3. महात्मा गाँधी का परिचय देते हुए 'चोरी और प्रायश्चित' का सारांश लिखिए।

4. हरिशंकर परसाई का परिचय देते हुए 'भोलाराम का जीव' की समीक्षा कीजिए।

इकाई-II

5. समास किसे कहते हैं? समास के भेद सोदाहरण बताइए।

6. संधि की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

इकाई-III

7. लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषता का वर्णन कीजिए।

8. 'पारिभाषिक' शब्द के महत्व को स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषता बताइए।

इकाई-IV

9. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर निबंध लिखिए :

(क) शिक्षा का महत्त्व

(ख) भारतीय संस्कृति

10. निम्नलिखित गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक देते हुए सारांश लिखिए :

"शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसमें आत्मनिर्भरता की भावना पैदा करना तथा देशवासियों का चरित्र-निर्माण करना होता है। परन्तु वर्तमान शिक्षा-प्रणाली से इस प्रकार का कोई लाभ नहीं होता, इसके केवल उदर-पूर्ति का साधन-मात्र कह सकते हैं। परन्तु वह भी पूर्णतया सत्य नहीं, क्योंकि अब भी प्रतिवर्ष विश्वविद्यालयों से हजारों नवयुवक डिग्री प्राप्त करके निकलते हैं। परन्तु उन्हें नौकरी नहीं मिलती। इस प्रकार बेकारी दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह इस शिक्षा का प्रमुख दोष है। कारण है कि ऐसी शिक्षा प्राप्त करके वह कुछ और नहीं कर सकता और न करने का उसका विचार ही होता है। दूसरा दोष यह है कि इस शिक्षा-व्यवस्था में मनुष्य की मानसिक, शारीरिक तथा आत्मिक शक्तियों का पूर्ण विकास नहीं होता। वर्तमान शिक्षा में पला हुआ मनुष्य अपने देश की सभ्यता तथा संस्कृति से, अपने देश की वस्तुओं से तथा भारतीय संस्कारों से घृणा करने लगता है। यही शिक्षा छात्र में उदण्डता, अनुशासनहीनता, चरित्रहीनता, असभ्यता तथा उच्छृंखलता भर रही है। श्रृद्धा और भावना जैसी कोई वस्तु उसके निकट नहीं होती। आज उसकी दृष्टि में न अपने गुरूजनों का आदर है और न माता-पिता का सम्मान।"

—x—